जानलेवा हमले के आरोपी को बचाने का प्रयास कर रही लालबर्रा पुलिस

लालबर्रा, देशबन्धु। थाना लालबर्रा पुलिस की कार्यप्रणाली एक बार फिर सवालों के घेरे में है। खोंगाटोला (मोहगांव) निवासी राकेश नगपुरे ने 23 मई दिन शुक्रवार को बालाघाट एसपी से मिलकर गंभीर आरोप लगाए हैं कि थाना लालबर्रा पुलिस ने उनके ऊपर हुए धारदार हथियार से जानलेवा हमले के मामले को दबाने और आरोपियों को बचाने के लिए हल्की धाराएं लगाई हैं। राकेश ने कहा कि 20 मई को थाना लालबर्रा पुलिस ने न केवल मामले को हल्के में लिया, बल्कि उनकी जान जोखिम में डालते हुए गंभीर रूप से घायल होने के बावजूद रिपोर्ट दर्ज करने में अनावश्यक देरी की।

राकेश नगपुरे के अनुसार, घटना उस समय की है जब वे गांव में रास्ते पर खूटे गाड़ने को लेकर अनावेदकों को समझा रहे थे। इस बात पर अनावेदकगण आगबबूला हो गए और गालियां देने लगे। बाद में उन्होंने राकेश नगपुरे और उनके भाई श्याम नगपुरे पर कुल्हाड़ी और डंडों से प्राणघातक हमला कर दिया। इस हमले में राकेश की हथेली कट गई और गर्दन पर गंभीर चोट आई, जबकि श्याम के हाथ में भी गंभीर चोट लगी। हल्ला सुनकर जब राकेश के माता-पिता मौके पर पहुंचे, तो अनावेदकगण ने उनके साथ भी धक्का-मुक्की और मारपीट की।

घायल राकेश नगपुरे की एसपी से न्याय की गुहार

सबसे हैरान करने वाली बात यह रही कि जब राकेश नगपुरे थाने अपनी रिपोर्ट दर्ज कराने पहुंचे, तो पुलिस ने उन्हें घंटों बैठाए रखा, टालमटोल करती रही और अंततः सिर्फ मामूली धाराएं 296, 115(2), 351(2), 3(5) बीएनएस दर्ज कर लीं, जबकि मामला सीधा-सीधा जानलेवा हमले का था। राकेश ने आरोप लगाया कि अनावेदकों का जीजा राजेश पाठक जी कि बांदा कंपनी में वाहन चालक है, लगातार पुलिस पर दबाव बना रहा था, जिसके चलते पुलिस ने हल्की धाराएं लगाकर पूरे मामले को दबाने की कोशिश की।

राकेश का आरोप है कि आरोपी खुलेआम धमकी दे रहे हैं कि हमने थाना लालबर्रा को रुपये से खरीद लिया है, हमारा कोई कुछ नहीं बिगाड़ सकता। हमारी पहुंच भोपाल तक है, कोई भी अधिकारी हमारे खिलाफ एफआईआर नहीं कर सकता। ऐसे में पीड़ित परिवार खुद को पूरी तरह असुरक्षित महसूस कर रहा है। राकेश नगपुरे ने एसपी से मांग की है कि इस पूरे प्रकरण की निष्पक्ष जांच करवाई जाए और दोषी पुलिसकर्मियों पर भी सख्त कार्रवाई की जाए, ताकि पीड़ितों को न्याय मिल सके और दबंगई करने वालों के हौसले पस्त हों। गांव के लोगों में इस घटना को लेकर गहरा आक्रोश है। उनका कहना है कि यदि समय रहते कड़ी कार्रवाई नहीं की गई, तो आरोपी और भी ज्यादा दुस्साहसी होकर गांव का माहौल बिगाड़ सकते हैं।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में भालू की मौत

जांच में जुटा प्रशासन, लगभग तीन दिन पुराना शव

उमरिया, देशबन्धु। मध्यप्रदेश के बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में एक भालू का शव संदिग्ध परिस्थितियों में मिलने से वन विभाग में हड़कंप मच गया है। यह घटना धमोखर बफर परिक्षेत्र के बरतराई बीट स्थित कक्ष क्रमांक पीएफ 143 के लांच टावर के पास की है। शव मिलने की सूचना मिलते ही रिजर्व के वरिष्ठ अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी गई।

सूत्रों के अनुसार, भालू का शव काफी सड़ी-गली अवस्था में था, जिससे अनुमान लगाया जा रहा है कि उसकी मौत लगभग तीन दिन पहले हुई होगी। टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने मामले को गंभीरता से लेते हुए क्षेत्र की गहन सर्चिंग करवाई। सर्चिंग के लिए डॉग स्क्वॉड की भी मदद ली गई ताकि यदि कोई हिंसक झड़प या आपराधिक गतिविधि हुई हो तो उसके संकेत मिल सकें।

वन अधिकारियों की उपस्थिति में डॉक्टरों की एक टीम द्वारा भालू के शव का पोस्टमॉर्टम कराया गया। पोस्टमॉर्टम के बाद शव का विधिवत अंतिम संस्कार कर दिया गया। हालांकि, अभी तक भालू की मौत के स्पष्ट कारणों की पुष्टि नहीं हो पाई है।

मामले की जांच कर रहे अधिकारी नरेंद्र सिंह ने बताया कि भालू की मृत्यु किन परिस्थितियों में हुई, इसका पता लगाने के लिए कई पहलुओं से जांच की जा रही है। घटनास्थल के आसपास के क्षेत्र का निरीक्षण कर सबूत इकट्ठा किए जा रहे हैं। वन्यजीवों की अप्राकृतिक मृत्यु को लेकर बांधवगढ़ प्रशासन अत्यधिक सतर्क है और ऐसी घटनाओं पर विशेष ध्यान देता है।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व वन्यजीवों की विविधता और खासकर बाघों के लिए प्रसिद्ध है। यहां भालुओं की भी पर्याप्त संख्या है, ऐसे में किसी भालू की संदिग्ध मौत को हल्के में नहीं लिया जा सकता। क्षेत्रीय प्रशासन यह सुनिश्चित करने में जुटा है कि कहीं यह मामला शिकार, आपसी संघर्ष या किसी बीमारी से जुड़ा तो नहीं है।

वन्यजीव विशेषज्ञों का मानना है कि बफर जोन में वन्यजीवों की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए निगरानी तंत्र को और मजबूत किए जाने की जरूरत है। फिलहाल, भालू की मौत की असली वजह पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच पूरी होने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगी।

सार-समाचार

बैंक कार्यों की समीक्षा शाखा और समिति वसूली को लेकर सजग रहें : जोशी

बालाघाट, देशबन्धु। कलेक्टर एवं बैंक प्रशासक श्री मृणाल मीना के मार्गदर्शन में जिला सहकारी केंद्रीय बैंक मर्यादित बालाघाट मुख्यालय से 26 मई को वीसी का आयोजन किया गया। प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री पी जोशी द्वारा निर्देशित किया गया कि शाखा और समितियों के कर्मचारी वसूली को लेकर सजग रहे। साथ ही दिए गए लक्ष्य को शत प्रतिशत पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। इसी तारतम्य में श्री जोशी द्वारा कृषि ऋण वसूली, कृषि, मध्यमकालीन, दीर्घावधि मांग वसूली बैंक स्तर एवं सदस्य स्तर और मध्यम कालीन ऋण और नवीन केसीसी अंतर्गत प्रति समिति पांच प्रकरण, क्रिस योजनाअंतर्गत राजस्व विभाग को सौंपे गए प्रकरण, शासकीय कर्मचारी पर बकाया ऋण, ईआरपी में डाटा प्रविष्टि, खाद भंडारण, खरीफ ऋण 2025 वितरण, रुपए केसीसी कार्ड वितरण की विस्तार से समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए। इस अवसर पर राजेश नगपुरे फील्ड अधिकारी, सीमा दुबे प्र. प्रबंधक लेखा, सारंग बिसेन आदि उपस्थित रहे।

शहडोल को वंदे भारत ट्रेन से क्यों वंचित रखा गया : मनीष

शहडोल, देशबन्धु। मध्यप्रदेश कांग्रेस कमेटी (विधि विभाग) के प्रदेश उपाध्यक्ष मनीष श्रीवास्तव ने कहा कि देश में 68 वंदे भारत ट्रेनें चल रही हैं। इसके अतिरिक्त 60 अन्य वंदे भारत ट्रेनें प्रस्तावित हैं। परन्तु देश के एकमात्र आदिवासी संभाग शहडोल क्षेत्र में एक भी वंदे भारत ट्रेन का ना चलाया जाना, केंद्र की भाजपा सरकार और शहडोल क्षेत्र के जनप्रतिनिधियों की गंभीर उदासीनता, अक्षमता व अकर्मण्यता को दर्शाता है।

कांग्रेस नेता मनीष श्रीवास्तव ने मांग की है कि शहडोल संभाग क्षेत्र की जन सुविधाओं और जनहित में कम से कम दो वंदे भारत ट्रेन बिलासपुर से भोपाल वाया कटनी सागर विदिशा होते हुए और अंबिकापुर से इंदौर वाया कटनी सागर विदिशा भोपाल होते हुए शहडोल संभाग से होकर जाना चाहिए।उन्होंने बताया कि संबंध में प्रधानमंत्री, रेल मंत्री, मुख्यमंत्री और दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे एवं पश्चिम मध्य रेलवे के महाप्रबंधकों को भी पत्र लिखा गया है।

सुखद वैवाहिक जीवन के लिए सुहागिनों ने रखा व्रत

उमरिया, देशबन्धु। हिंदू परंपरा अनुसार सुहागिन अपने पति की दीर्घायु और सुखद वैवाहिक जीवन के लिए व्रत रखती हैं। वट सावित्री व्रत भी सौभाग्य प्राप्ति के लिए एक बड़ा व्रत माना जाता है। ये ज्येष्ठ कृष्ण अमावस्या को मनाया जाता है जो आज सोमवार को सावित्री व्रत रखा गया है। इस त्योहार के साथ सत्यवान-सावित्री की कथा जुड़ी है, जिसमें सावित्री ने अपने संकल्प और श्रद्धा से यमराज से सत्यवान के प्राण वापिस ले लिए थे। मान्यताओं के अनुसार वट सावित्री के दिन सुहागिन महिलाएं वट यानि बरगद के पेड़ की पूजा- अर्चना करती है। ऐसा कहा जाता है कि इस पेड़ में भगवान विष्णु, ब्रम्हा जी और शिवजी का वास है। इस दिन बरगद के पेड़ की पूजा करने से पति और परिवार को सौभाग्य का आशिर्वाद मिलने के साथ पति की आकाल मृत्यु का खतरा टल जाता है। वट सावित्री व्रत के दिन पतिव्रता स्त्री वट पेड़ की परिक्रमा करती है और चारो ओर धागा बांधती है।

वट सावित्री अमावस्या तिथि पर महिलाओं ने की परिक्रमा सनातन धर्म में वट सावित्री व्रत का विशेष महत्व माना गया है। आज सोमवार को वट सावित्री अमावस्या तिथि पर जिला मुख्यालय सहित समूचे जिले में महिलाओं ने आस्था व श्रद्धाभक्ति के साथ निर्जला व्रत धारण कर बरगद पेड़ की पूजा अर्चना की। प्रात:काल से ही महिलाओं ने पूजा की सामग्री लेकर बरगद वृक्ष के पास जाकर विधिविधान से आराधना करने के साथ वट की परिक्रमा कर चारो ओर रक्षा हेतु धागा बांधा। इसके बाद बरगद वृक्ष के नीचे बैठकर कथा श्रवण किया। पूजा के दौरान फल फूल, मिष्ठान सहित विभिन्न प्रकार के पकवान अर्पित करते हुए पति की दीर्घायु व परिवार की सुख समृद्धि की कामना की।

सामूहिक सहभागिता का मॉडल अपनाकर महिला रेंजर ने की वन व वन्य जीवों की सुरक्षा

वनीय क्षेत्रों में स्थापित की लाइब्रेरी की संकल्पना स्थापना

ग्रामीण महिलाओं को किया सशक्त, निभाई आत्मनिर्भर बनाने में भूमिका, युवकों में जगाया सेवा का नजरिया

बालाघाट, देशबन्धु। जब काम बड़ा हो और रास्ते कठिन हो तो खास तरह की युक्ति सफलता दिलाती है और अगर वहीं काम किसी महिला के कंधों पर हो तो चुनोतियाँ और भी बढ़ जाती है। इस बड़ी चुनोती को कान्हा नेशनल टाइगर पार्क के इर्द-गिर्द की रेंज और कोर इलाके में रहीं महिला रेंजर श्रीमती सीता जमरा ने बखूबी अंजाम दिया है। 9 वर्षो से कान्हा नेशनल टाइगर पार्क कोर और बफर जोन में रेंजर के तौर पर सेवा करने वाली श्रीमती जमरा ने वन और वन्य जीवों की सुरक्षा में सामूहिक सहभागिता का मॉडल अपनाकर सशक्ति के साथ सफलताएं अर्जित की है। उन्होंने वनों पर आधारित ग्रामीणों की जीविका को समझते हुए जनजातीय महिलाओं को सशक्त करने और उन्हें आत्मनिर्भर करने की दिशा में कदम बढ़ाएं और नव युवकों में सेवा का जज़्बा जगाते हुए वनों से सटे गांवों में लायब्रेरी की संकल्पना की शुरुआत की। उन्होंने बैगा महिलाएं जो बैगा संस्कृति पर आधारित परिधान और आभूषण मालाएं बनाने में कुशल महिलाओं के समूहों को बड़े स्तर पर मंच देने के प्रयास किये। ऐसे ही गांव के जो युवा रोजगार की तलाश में जुटे उनके लिए गांव में लायब्रेरी स्थापित की। इससे ग्रामीणों में उनके प्रति विश्वास जताया। फिर विभाग की योजनाओँ व नीति अनुसार सहभागिता से कार्य संपादित किये। साथ ही अपना मुखबिरी का तंत्र मजबूत किया।

प्रवासी सम्मेलन और जी-20 कार्यक्रम में बैगा ज्वैलरी स्टॉल लगाने में सहयोग-समनापुर परिक्षेत्र के बाँधातोला में बाघिन आजीविका समूह की बैगा महिलाएं जो बैगाओं की जीवन शैली व पारंपरिक आभूषण बनाने के कार्य में जुटी थी। उनके इस हुनर को ग्लोबली मंच प्रदान करने में बड़ी भूमिका अदा की। वर्ष 2023 में इंदौर में आयोजित हुए प्रवासी दिवस सम्मेलन और इसी वर्ष भोपाल में हुए जी-20 सम्मेलन में समूह द्वारा प्रदर्शनी लगाई गई। पहली बार आयोजित हुई ऐसी प्रदर्शनी रेंजर श्रीमती जमरा के मार्गदर्शन में आयोजित हुई। इसके बाद महिलाओं का हौसला बढ़ा और दोगुने उत्साह से इस कार्य को दक्षता के साथ आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनने की ओर बढ़ी।

ग्रामीण युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओं की ओर रुझान बढ़ाया-श्रीमती जमरा ने सामूहिक सहभागिता के मकसद से ग्रामीण युवाओं को प्रतियोगी परीक्षाओ की तैयारी के लिए 5 गांवो में वाचनालय प्रारम्भ किये। ऐसा बालाघाट जिले में पहला नवाचार बना, जिसे अन्य परिक्षेत्रों में शुरू किया गया।

उन्होंने 25 सितंबर 2022 को बहेराखार में कान्हा जंगल मित्र वाचनालय प्रारम्भ किया। इसके बाद पंडरा पानी, जैरासी और सरईपतेरा में भी शुरुआत हुई। इस लाइब्रेरियों में व्यापम द्वारा आयोजित होने वाली प्रतियोगी परीक्षाओं के अलावा एमपी पीएससी, एसएससी, बैंक कैशियर जैसे अनेकों परीक्षाओ का स्टडी मटेरियल व पत्रिकाएं उपलब्ध कराई। इन वाचनालय में पढ़ने वाले युवाओ का चयन भी हुआ है और आगे की पढ़ाई जारी रखने के लिए प्रेरित भी हुए है। इन वाचनालयों के बारे में जैसे ही कई पर्यटकों को जानकारी मिली, वे स्वयं भी आगे आये और पुस्तकें दान की

वन अपराध रोकने में सूझबूझ का दिया परिचय, शासन से मिला 50 हजार का सम्मान-वनक्षेत्रपाल श्रीमती जमरा ने अपने पदीय दायित्वों को निभाने में सामूहिक सहभागिता का खासा सहयोग मिला। इस सहयोग से उन्होंने 9 वर्षो की सेवा में 14 प्रकरणों में वन्य जीवों को बचाने व उनके संरक्षण के साथ गंभीर वन अपराधों पर नियंत्रण के लिए सूझबूझ के साथ काम किया। 14 रेस्क्यू ऑपरेशन में 51 अपराधियों को न्यायालय तक पहुँचाया। उन्हें 2021 में मप्र शासन द्वारा वनक्षेत्रपाल श्रेणी में वन्य प्राणी संरक्षण पुरुस्कार से सम्मानित किया गया। इसमें उन्हें 50 हजार रुपये की राशि और प्रशस्ति पत्र प्रदान किया गया। श्रीमती जमरा ने बताया कि जब उन्होंने ग्रामीणों के साथ संवाद शुरू किया तो उनकी आवश्यकताओं के बारे में पता चला। इसके बाद उनके साथ जुड़ी और सामूहिक रूप से सहयोग मिला। इसके बाद कई तरह की सूचनाएं प्राप्त हुई।

परिक्षेत्र स्तरीय खेलकूद प्रतियोगिताओं में पहली बार महिलाएं कबड्डी के खेल में उतरी

जमरा ने विभागीय दायित्वों के साथ महिलाओं के सशक्तिकरण की दिशा में हमेशा प्रेरित करने का कार्य किया है। उनके निर्देशन में ही वर्ष 2021 में पहली बार ग्रामीण महिलाओं ने पहली बार परिक्षेत्र स्तरीय खेल प्रतियोगिता कबड्डी में शामिल हुई। करीब 13 रेंज की ईको विकास समितियों की महिलाओं ने सहभागिता प्रारम्भ की। जिससे महिलाओं में आत्मविश्वास जागा और अब निश्चित रूप से खेलो में आये आयी है।

विकसित कृषि संकल्प अभियान के क्रियान्वयन के लिए जिला एवं विकासखंड स्तरीय दल गठित

29 मई से 12 जून तक क्रियान्वित होगा अभियान

विकासखण्ड की ग्राम पंचायतों में आयोजित होंगे कार्यक्रम

बालाघाट, देशबन्धु। मप्र शासन किसान कल्याण तथा कृषि विकास मंत्रालय द्वारा विकसित कृषि संकल्प अभियान प्रारम्भ किया जाएगा। इस सम्बंध में कलेक्टर श्री मृणाल मीना ने विकसित कृषि संकल्प अभियान के संचालन के लिए सभी जनपद सीईओ को आदेश जारी किए है।कलेक्टर श्री मीना के आदेशानुसार इस अभियान के तहत केंद्रीय योजनाओ और मप्र सरकार की प्रमुख योजनाओ के साथ ही कृषि वैज्ञानिकों द्वारा ईजाद की गई नवीन उन्नत कृषि तकनीकियों तथा कृषको द्वारा

कृषि में किये जा रहे नवाचारों की जानकारी स्थानीय स्तर पर कृषि वैज्ञानिकों, विभागीय अधिकारियों, कृषि उद्यमी एवं प्रगतिशील कृषको के द्वारा कृषको को दी जाएगी। इस अभियान के सफल संचालन के लिए कृषि उपसंचालक श्री राजेश खोबरागड़े को नोडल अधिकारी नियुक्त किया गया है।साथ ही जिला स्तर तथा विकासखण्ड स्तर पर दल भी गठित किया गया है। ये दल 5 भागों में विभाजित होंगे। जिसमे अलग अलग विभागों के अधिकारियों द्वारा दायित्वों का निर्वाह किया जाएगा।

कलेक्टर श्री मृणाल मीना के आदेशानुसार दल 5 भागो में विभाजित किया गया है। बालाघाट एवं परसवाड़ा, लालबर्रा एवं वारासिवनी, कटंगी एवं खैरलांजी, लांजी एक किरनापुर तथा बैहर एवं बिरसा को मिलाकर पांच दलों का गठन किया गया है। इन दलों में अलग अलग विभागों के अधिकारियों कीनियुक्ति की गई है। इसके साथ ही गठित दल में संबंधित विभाग के प्रगतिशील कृषक, कृषि उद्यमी तथा एफपीओ, एफआईजी एवं स्व सहायता समूह के सदस्य व प्रतिनिधि भी शामिल होंगे। विकासखण्ड की पंचायतों में निरंतर आयोजित होंगे कार्यक्रम कलेक्टर मृणाल मीना के आदेशों के परिपालन में कृषि उपसंचालक श्री राजेश खोबरागड़े द्वारा विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत रूट चार्ट तैयार किया गया है। जिसके अनुसार विकासखण्डवार पंचायतों में 29 मई से 12 जून तक निरंतर कार्यक्रम आयोजित किये जाने है। इसमें विकासखण्ड बालाघाट की 16 तथा परसवाड़ा की 14 ग्राम पंचायतों में दल क्रमांक के मार्गदर्शन में कार्यक्रम क्रियान्वित किये जायेंगे। इसी तरह विकासखण्ड वारासिवनी की 16 एवं लालबर्रा की 14 पंचायतो में दल क्रमांक 2, कटंगी की 15 एवं खैरलांजी की 14 पंचायतों में दल क्रमांक 3, लांजी की 16 एवं किरनापुर की 14 पंचायतों में दल क्रमांक 4 और विकासखण्ड बैहर की 14 एवं बिरसा की 16 ग्राम पंचायतों में दल क्रमांक 5 द्वारा नियुक्त अधिकारियों द्वारा विकसित कृषि संकल्प अभियान अंतर्गत कार्यक्रम क्रियांवित किये जायेंगे।

बागेश्वरधाम क्षेत्र में स्विमिंग पूल में डूबने से एक की मौत, प्रशासन ने किया सील

छतरपुर, देशबन्धु। छतरपुर में बिना सुरक्षा इंतज़ाम के संचालित स्विमिंग पूल जानलेवा साबित हो रहे हैं। ताजा मामला बमीठा थाना क्षेत्र के ग्राम गढ़ा (बगेश्वरधाम क्षेत्र) है, जहां रेलवे पुल के पास बिना सुरक्षा इंतजामों के संचालित हो रहे एक स्विमिंग पूल में 7 वर्षीय बच्चे की डूबने से मौत हो गई। हादसे के बाद परिजन, बच्चे को जिला अस्पताल लेकर आये जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

पुलिस के अनुसार मूल रूप से बिहार के रहने वाले अजीत कुमार सिंह अपने 7 वर्षीय बेटे रिहांश कुमार सिंह के साथ स्विमिंग पूल में नहाने गए थे। नहाते समय रिहांश डूब गया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी का माहौल निर्मित हो गया। जानकारी मिलते ही बमीठा पुलिस मौके पर पहुंची, वहीं परिजन बच्चे को पूल से निकालकर जिला अस्पताल लेकर आए, जहां डॉक्टरों ने प्राथमिक जांच के बाद ही उसे मृत घोषित कर दिया। अजीत कुमार सिंह का परिवार ग्राम गढ़ा के बागेश्वर धाम में रहकर, ढाबा संचालित करता है। घटना के बाद बच्चे के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। फिलहाल बमीठा पुलिस मामले की जांच और अग्रिम कार्यवाही में जुटी हुई है। घटना के बाद पुलिस और प्रशासन की टीम ने स्विमिंग पूल को सील करने की कार्रवाई की है। बमीठा थाना प्रभारी आशुतोष श्रोत्रिय और तहसीलदार प्रतीक रजक ने मौके पर पहुंचकर पंचनामा बनाने के उपरांत स्विमिंग पूल को सील कर दिया।

किसकी शह पर चल रहा गांजा तस्करी का धंधा, प्रशासन मौन

ब्यौहारी, देशबन्धु। बाणसागर के कांग्रेस नेता एवं जिला कांग्रेस कमेटी के सचिव सुभाष त्रिपाठी ने मांग की है कि बीते दिनों शहडोल जिले अंतर्गत जयसिंहनगर तहसील के ग्राम गिरुई खुर्द में नारकोटिक्स ब्यूरो व प्रशासन ने करोड़ों रुपए के गांजे को स्थानीय खेत से जब्त होना बताया जा रहा है। जबकि इतने कीमत और इतने मात्रा मे गांजा व्यवस्थित ही रखा गया होगा।

खुले खेत में तो नहीं रखा गया होगा। इतनी बड़ी मात्रा में गांजा कब से और कैसे पहुंच रहा है यह भी प्रशासन की निष्पक्षता पर सवाल खड़े करता है। इस

कार्यवाही में बड़े बड़े प्रभावशाली लोगों की ओर इंगित हो रहा और प्रशासन को किसी ने खबर दी होगी। प्रशासन का कोई मुखबिर से सूचना मिली होगी और प्रशासन को दवाब में आकर कार्य करना संदेहस्पद है। इतनी बड़ी मात्रा में गांजा आया और इतनी आसानी से खेत में उतारा गया और किसी को खबर तक नहीं लगी।

आश्चर्य है जिस वाहन में यह तस्करी हुई उसमें कौन था किसके गुर्गे थे यह सब प्रशासन ने अपनी कार्रवाई से नदारद रखा क्यों शहडोल संभाग सहित जिले के बाहर व अन्य राज्यों से जुड़े इस तस्करी के तार और भाजपा के लोगों का इसमें संलिप्त होना प्रशासन की निष्पक्षता में सवाल खड़े करता है। बीते कई सालों से इस गोरखधंधे के सरगना को पूरा जिला जानता है, परंतु कोई आवाज उठाने की हिम्मत नहीं जुटा सकता है, क्योंकि उनके उपर क्षेत्र के सासंद विधायक व प्रभारी मंत्री का हाथ है। मुख्यमंत्री मोहन यादव से व जिला प्रशासन व नारकोटिक्स ब्यूरो के उच्च अधिकारियों से इस मामले में उच्चस्तरीय जांच या तो फिर सीबीआई से जांच की मांग है।

पुलिस द्वारा लगातार यह गुमराह किया जा रहा है कि गांजा घर में मिला है घर मलिक को अभी तक गिरफ्तार नहीं करना पुलिस की भूमिका पर संदेह पैदा कर रहा है। कांग्रेस पार्टी मांग करती है कि जिसके घर में मिला है उसको तुरंत गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की जाए।